।।रखोगे लाज।।

दोहा- खाटू वाले श्याम का, ये सच्चा दरबार है।
सच्चे दिल से जो भी ध्यावे, उसका बेड़ा पार है।।
खाटू के बाबा श्याम जी, मेरी रखोगे लाज।
रखोगे लाज, मेरी रखोगे लाज।
मीरा के घनश्यामजी, मेरी रखोगे लाज।। टेर।।
टेर सुनो साँवलसा मेरी, धीर बँधाओ करो ना देरी,
दुःख हरता थारो नामजी, मेरी रखोगे लाज।।
भीख दया की कब दोगे, मेरी सुध प्रभु कब लोगे,
पूजूँ मैं थारा पाँवजी, मेरी रखोगे लाज।।
काशी, चरणाँ को चेरो, जीवन सफल बना मेरो,
थां बिन कित आरामजी, मेरी रखोगे लाज।।

.

Downloaded from khatunareshshyambaba.in
Website design & developed by syllogisticinoftech.com